>

Title: Need to ensure regular development work in Mrig Vihar, Askot, Pithoragarh.

श्री सतपाल महाराज (गढ़वाल): आदरणीय महोदया, में आपके माध्यम से इस सदन का ध्यान उत्तराखण्ड के असकोट स्थित मृग विहार की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। कस्तूरी मृगों के संरक्षण के लिए वर्ष 1986 में 600 वर्ग किलोमीटर के दायरे में मृग विहार का निर्माण किया गया। जिसके दायरे में पिथौरागढ़, डिडीहाट, मनुस्यारी और धारचूला का क्षेत्र आता है। सेन्चुरी के नियमों के चलते वहां विकास कार्य बिलकुल ठप्प पड़ा हुआ है। इस मृग विहार के कारण विकास कार्य न होने के कारण 111 गांव के 55 हजार से अधिक लोग प्रभावित हो रहे हैं। वर्ष 2010 में सेन्ट्रल एम्पावरमेंट कमेटी ने इस मृग विहार का दायरा 600 वर्ग किलोमीटर से बढ़ाकर 2200 वर्ग किलोमीटर करने की सिफारिश की है। इस मृग विहार के चलते वहां 5 जल विद्युत योजनाएं एवं 22 सड़कें जो चीन व नेपाल बार्डर तक बननी हैं वह भी लंबित पड़ी हैं। महोदया, यहां मैं एक बात बताना चाहूंगा कि कस्तूरी मृग 8000 मीटर की उंचाई पर ही रहता है। जबकि यह मृग विहार 5000 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है और ग्लोबल वार्मिंग के कारण स्नो लाइन और ऊपर चली गई है।

महोदया, मेरा आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि वह 55 हजार लोगों, 5 जल विद्युत परियोजनाओं एवं 22 सीमान्त सड़कों को दृष्टिगत रखते हुए वहां विकास कार्यों को रूकने न दे तथा उन्हें प्रमुखता से शुरू करवाए।

मेरे वतन की बहार जवान होने दो,

महान है मेरा भारत, महान होने दो।

किसी को सींच रहे हो, किसी पर पानी बंद,

तमाम खेतों की फसलें समान होने दो।

गुब्बार दिल से ख्यालों से गर्द दूर करो,

नई जमीन नया आसमान होने दो।

सुभाष, गांधी, जवाहर की रूह भी कहती है कि

तमाम देश को एक खानदान होने दो।